प्रश्नपत्र-11 **अंक 100**

टेलीविज़न

1. माध्यम के रूप में टेलीविजन
    - रेमण्ड विलियम्स, मार्शल मैक्लूहान, जॉन फिस्के, पियरे बोर्दियो, तथा अन्य विचारकों के मत
    - भारतीय परिप्रेक्ष्य में टेलीविजन की विकास यात्रा श्वेत-श्याम युग, रंगीन टेलीविजन का युग, उपग्रह युग, उदारीकरण, नवउदारीकरण के दौर में टेलीविज़न एवं टी.आर.पी.
    - समाचार कक्ष की संरचना - समाचार पूल, इनपुट, आउटपुट, पीस टू कैमरा, वॉयस ओवर, बॉक्स पॉप, बाइट, समाचार समन्वय एवम् वाचन
    - टेलीविजन स्टूडियो की संरचना - निर्माता, निर्देशक, कैमरा मैन, कैमरा संचालन, शॉट्स के प्रकार और उपयोग, सेट डिज़ायनर, प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, फ्लोर मैनेजर, वॉयस
2. टेलीविजन विधाएँ
    - समाचार-आधारित कार्यक्रम - समाचार, साक्षात्कार, रिपोर्टिंग, कमेंटरी
    - शिक्षा-आधारित कार्यक्रम - टॉक शो, क्विज़ कार्यक्रम, डॉक्यूमेंटरी
    - मनोरंजन आधारित कार्यक्रम - कॉमेडी शो, रियल्टी शो, कार्टून, टेलीप्ले, टेलीफिल्म
    - धारावाहिक
3. साहित्यिक कृतियों का टी.वी. रूपांतरण
    - ऐतिहासिक विकास क्रम की दृष्टि से परिचय
    - साहित्यिक कृति और उस पर आधारित टेलीफिल्म की तुलना जैसे - 'गोदान' अथवा 'तहरीर' में से किसी कृति की तुलना
    - टी.वी. के नए कार्यक्रमों पर साहित्यिक प्रभाव
    - किसी एक टी.वी. कार्यक्रम के आधार पर माध्यम की विशेषताओं की समीक्षा
4. **व्यावहारिक कार्य**
    - इनडोर - शूटिंग का उपयोग करते हुए टेलीविजन के लिए 10 मिनट की सीडी तैयार करना
    - आउटडोर- शूटिंग का उपयोग करते हुए टेलीविजन के लिए 10 मिनट की सीडी तैयार करना

सहायक पुस्तकें

आवश्यक अध्ययन सामग्री:

1. जनमाध्यम प्रोद्यौगिकी और विचारधारा, जगदीश्वर चतुर्वेदी
2. पटकथा लेखन, मनोहरश्याम जोशी
3. जनमाध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य, जवरीमल्ल पारख
4. जनमाध्यमों का मायालोक, नॉम चॉमस्की

अन्य अध्ययन सामग्री:

1. टेलीविजन : प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक रूप, रेमण्ड विलियम्स
2. टेलीविजन की कहानी, श्याम कश्यप, मुकेश कुमार
3. खबरें विस्तार से, श्याम कश्यप, मुकेश कुमार